- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 नेपाल में रह रहे भारत के मतदाताओं को किया जा रहा है जागरूक

04 जीविका दीदियों ने मतदान के दिन सब काम से पहले वोट डालने की अपील

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, रविवार, 28 अप्रैल 2024 www.bordernewsmirror.com ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 05, अंक: 56

LAKSHYA RAJ KIDZEE

Mission Chowk, Pataura (Infornt of Durga Mandir) Motihari Mob.- 9128562441

रोजगार और महंगाई की समस्या क्यों नहीं सुलझाते नरेंद्र मोदी: प्रियंका गांधी

बीएनएम@मुंबई

भाजपा का दावा है कि नरेंद्र मोदी दुनिया के सबसे ताकतवर नेता हैं और हर समस्या का समाधान चुटकियों में कर देते हैं, उन्होंने रोजगार की समस्या और महंगाई की समस्या का समाधान क्यों नहीं किया। प्रियंका गांधी ने अपने भाषण की शुरुआत मराठी में की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ने सामाजिक न्याय की परंपरा को संरक्षित रखा है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने शनिवार को लातुर में कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुटकियों में सारी समस्या हल कर देते हैं तो वे देश की सबसे बड़ी समस्या महंगाई और बेरोजगारी का समाधान क्यों नहीं कर पा रहे हैं। प्रियंका गांधी लातुर में कांग्रेस उम्मीदवार के समर्थन में आयोजित प्रचार सभा को संबोधित कर रही थीं।

प्रियंका गांधी ने कहा कि देश में सबसे ज्यादा महंगाई और बेरोजगारी है, केंद्र सरकार में 30 लाख सरकारी पद खाली हैं लेकिन मोदी सरकार ने उन्हें नहीं भरा है। बेरोजगारी के साथ-साथ महंगाई भी काफी बढ़ गई है। मोदी ने पेट्रोल, डीजल, गैस सिलेंडर, खाद्य तेल, सोना, चांदी की महंगाई का तोहफा दिया। कृषि सामग्रियों पर जीएसटी लगा दिया, मोदी सरकार ने लोगों को हर तरफ से परेशानी में डाल दिया है। भाजपा का दावा है कि नरेंद्र मोदी दुनिया के सबसे ताकतवर नेता हैं और हर समस्या का समाधान चुटकियों में कर देते हैं, उन्होंने रोजगार की समस्या और महंगाई की समस्या का समाधान क्यों नहीं किया।

प्रियंका गांधी ने अपने भाषण की शुरुआत मराठी में की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ने सामाजिक न्याय की परंपरा को संरक्षित रखा है। छत्रपति शिवाजी महाराज, शाहू महाराज, महात्मा फुले, डॉ. ये बाबा साहब अंबेडकर की धरती है। कांग्रेस सरकार ने मराठवाड़ा में विकास कार्य किये हैं लेकिन पिछले कुछ वर्षों में तस्वीर बदल गयी है।

मोदी सरकार में दलितों का शोषण और उत्पीड़न हो रहा है लेकिन सरकार आंखें मूंदे बैठी है, जनता संकट में है, देश की जनता संकट से जूझ रही है लेकिन टीवी पर दिखाया जा रहा है कि सब कुछ ठीक है। ऐसा दिखावा किया जा रहा है कि दुनिया में मोदी से बड़ा कोई नेता नहीं है। लेकिन स्थिति ऐसी नहीं है। डॉ। बाबा साहब अंबेडकर के संविधान ने अमीर-गरीब सभी को समान अधिकार दिया है, भारतीय जनता पार्टी संविधान में बदलाव कर इन अधिकारों को छीनना चाहती है। बीजेपी की चाल लोगों की नजर में आने के बाद अब मोदी हर सभा में कह रहे हैं कि संविधान नहीं बदला जाएगा।

ये मोदी की पार्टी के सांसद ही थे जो संविधान बदलने की भाषा बोलते थे और बीजेपी में मोदी की इजाजत के बिना एक पन्ना भी नहीं हिलता, सांसद उनकी इजाजत से ही संविधान बदलने की बात करते थे लेकिन अब उनकी भाषा बदल गई है। नरेंद्र मोदी लगातार कह रहे हैं कि 70 साल में कुछ नहीं हुआ, एक बार मोदी ने कहा था कुछ नहीं हुआ, लेकिन जनता ने मोदी को 10 साल के लिए सत्ता दे दी, बताओ इन 10 साल में आपने क्या किया।

लोकसभा चुनाव के दो चरणों के बाद एनडीए 2-0 से आगे : प्रधानमंत्री

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कोल्हापुर में कहा कि फुटबाल की भाषा में कहें तो लोकसभा चुनाव के दो चरणों के बाद भाजपा नीत एनडीए गठबंधन 2-0 से आगे है। इस तरह कांग्रेस और उसका गठबंधन शून्य पर है और हमने चुनाव में बढ़त बना ली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को कोल्हापुर जिले में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन के उम्मीदवार धैर्यशील माने और संजय मांडलिक के समर्थन में आयोजित प्रचार सभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने 'जगत भारी कोल्हापुरी' कहकर अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा, "मुझे पता चला कि कोल्हापुर में फुटबॉल मशहूर है। यानी फुटबॉल की भाषा में कहें तो पहले दो चरण के चुनाव के बाद एनडीए और बीजेपी 2-0 से आगे हैं। इसलिए कांग्रेस और भारत का गठबंधन शून्य पर है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दो गोल करने के बाद अब तीसरे गोल की जिम्मेदारी कोल्हापुर पर आ गई है। कोल्हापुरकर ऐसा गोल करेंगे कि कांग्रेस मोर्चे का माथा ठनक जाएगा। दूसरी ओर, इंडी अघाड़ी ने राष्ट्र-विरोधी और नफरत की राजनीति के दो आत्म-लक्ष्य बनाए हैं। इससे यह तय है कि मोदी सरकार दोबारा आएगी." नरेंद्र मोदी ने कहा कि ₹कांग्रेस और उनके समर्थक नेता पहले दो चरणों के बाद भ्रमित हैं। अब वे ध्रुवीकरण की भाषा बोलने लगे हैं। अगर देश में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार आती है तो वे जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को फिर से लागू करने की सोच रहे हैं। वे सीएए कानून को भी रद्द कराना चाहते हैं। लेकिन मुझे उनसे एक बात कहनी है। ₹क्या वे उस सरकार के दरवाजे तक भी पहुंच सकते हैं, जिसके तीन अंकों की संख्या में सांसदों के चुने जाने की उम्मीद है?

प्रधानमंत्री ने कहा कि इंडी अघाड़ी के लोग अब देश पर गुस्सा निकाल रहे हैं। कर्नाटक और तमिलनाडु में उनके नेता दक्षिण भारत को बांटने की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन क्या यह संभव है? छत्रपति शिवाजी महाराज के समय में जिस धरती पर 'अहद पेशावर, ताहद तंजावुर, हिंदवी स्वराज्य' का उद्घोष किया गया था, क्या वह इंडी अघाड़ी के मंसूबों को पूरा करेगी?

घटना शक्तिशाली बम विस्फोट के बाद कई लोग घायल हो गए

बसीरहाट में भाजपा नेता के घर विस्फोट तृणमूल बोली- एनएसजी क्यों नहीं आई

बीएनएम@कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के बशीरहाट विधानसभा क्षेत्र में एक भाजपा नेता के रिश्तेदार के घर पर एक शक्तिशाली बम विस्फोट के बाद कई लोग घायल हो गए।

तृणमूल नेता कुणाल घोष ने आरोप लगाया कि विस्फोट से हसनाबाद पंचायत क्षेत्र में भाजपा नेता निमाई दास के एक रिश्तेदार के घर की छत उड़ गई, जिससे कई लोग घायल हो गए। उन्होंने सवाल किया कि घटना की जांच के लिए सीबीआई या एनएसजी को हस्तक्षेप क्यों नहीं करना चाहिए?

घोष ने दावा किया कि दास को अक्सर भाजपा के कार्यक्रमों के दौरान बी.एल. संतोष जैसे वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारियों के साथ देखा जाता है।

घोष ने कहा, 'सभी ने देखा है कि कैसे सीबीआई ने एनएसजी के साथ मिलकर शुक्रवार को बशीरहाट क्षेत्र के संदेशखाली में एक सुनसान जगह पर स्थित घर से बंदूकों की बरामदगी के नाम पर नाटक किया।'

उन्होंने कहा कि अब जब भाजपा नेता के रिश्तेदार के घर पर एक विस्फोट हुआ है तो इस घटना की जांच के लिए सीबीआई या एनएसजी को कदम क्यों नहीं उठाना चाहिए। पुलिस ने कहा कि वह मामले की जांच कर रही है।

घोष ने कहा, 'हम मांग करते हैं कि दास को पूछताछ के लिए तुरंत हिरासत में लिया जाना चाहिए।' आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने कहा, 'तृणमूल कांग्रेस को पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि संदेशखाली में हथियार कहां से आए? हसनाबाद के हिंगलगंज में हुई घटना के संबंध में भी उचित जांच होनी चाहिए।'

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

पूर्णिया के मतदाताओं ने न्याय के साथ विकास पर लगाया मुहरः लेशी सिंह

26 अप्रैल ने तय कर दिया है कि पूर्णिया का असली बेटा संतोष ही है: संतोष कुशवाहा

बीएनएम@पूर्णिया

मंत्री लेशी सिंह ने 26 अप्रैल को लोकतंत्र का महापर्व को सफल बनाने के लिए पूर्णिया के मतदाताओं और एनडीए कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। शनिवार को उन्होंने सांसद कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पूर्णियावसियों का आभार जिन्होंने एनडीए के पक्ष में बढ़-चढ़ कर मतदान किया।पूर्णिया के मतदाताओं ने न्याय के साथ विकास पर मुहर लगाया है।मैं लोगों को आश्वस्त करना चाहती हूं कि हम सभी मिलकर आगे भी पूर्णिया के विकास को गति देने का काम करेंगे। इस मौके पर एनडीए के सभी घटक दल के जिलाध्यक्ष भी मौजूद थे। एनडीए प्रत्याशी संतोष कुशवाहा ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व में पूर्णिया संसदीय क्षेत्र के मतदाताओं ने न्याय किया है।निश्चित रूप से चुनाव परिणाम यह साबित करेगा कि विकास और अमन-चैन की धरती पूर्णिया में अराजक और विकास -विरोधी ताकतों की कोई जगह नही है।धनबल और बाहुबल की पराजय और सच की जीत हुई है।हम आभारी हैं देवतुल्य मतदाताओं के और जिला प्रशासन और चुनाव आयोग का जिनकी वजह से पूर्णिया में सच की जीत हुई है। प्रदेश के बाहर के लोगों को इस बात की चिंता सता रही थी कि क्या फिर से पूर्णिया में वर्ष 2005 से पहले की स्थिति तो पैदा नही हो जाएगी लेकिन पूर्णियावसियों ने स्पष्ट कर दिया कि यहां मंगलराज ही रहेगा और पूर्णिया का विकास-रथ गतिमान रहेगा। कुशवाहा ने कहा कि 26 अप्रैल को मतदाताओं ने तय कर दिया है कि पूर्णिया का असली बेटा संतोष ही है, चुनाव परिणाम पूर्णतः एनडीए के पक्ष में जा रहा है और हम फिर एक बार रिकॉर्ड मतों से विजयी होंगे।

इसके लिए हम सभी एनडीए के साथी, शीर्ष नेतृत्व और खासकर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदींजी, मुख्यमंत्री अभिभावक नीतीश कुमार जी और चुनाव-प्रचार में पूर्णिया आए सभी मंत्री,सांसद,विधायक और नेतागण के आभारी है जिनके सहयोग के बिना यह जीत सम्भव नही था।

क्रिकेटर जय सिंह के परिवार को मिला न्याय, हत्यारे को मिला आजीवन कारावास

पूर्णियां। क्रिकेटर और समाजसेवी जय सिंह के हत्यारे को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा दी है। जय सिंह पूर्णिया जिला क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष थे। एक अच्छे समाज सेवी भी थे। उनकी हत्या से पूरा क्रिकेट जगत तथा समाज हतप्रभ था।

इस हत्या के मामले में अभियुक्त पूर्णिया के रहने वाले नवल यादव कोर्ट ने आजीवन कारावास एवं 20 हजार रुपए आर्थिक दंड की सजा सुनाई है। अभियुक्त को आर्म्स एक्ट में भी दोषी पाए जाने के बाद 3 वर्ष कारावास एवं 10 हजार रुपए आर्थिक दंड की सजा सुनाई गई है। दोनों ही सजा साथ-साथ चलेंगी। यह सजा पंचम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभिषेक रंजन की अदालत ने सुनाई है। जय सिंह की हत्या के बाद थाने में मुकदमा मृतक जय कुमार सिंह के बड़े भाई शर्मानंद सिंह सा० अड़गड़ा चौक, वार्ड नंबर 2, थाना के० हाट (मधुबनी) जिला पूर्णिया ने दर्ज कराई थी। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार 23 जनवरी 2021 की रात्रि 09.15 बजे जय कुमार सिंह अड़गड़ा चौक पर सड़क किनारे खड़ा था। इसी बीच अभियुक्त उसके पास आकर गाली गलौज करते हुए कहा कि तुम मेरे भतीजा सौरभ यादव की हत्या पर ख़ुशी मना रहे थे। तुमको भी दुनिया से विदा कर देंगे। इतना कहते ही अभियुक्त ने उसके गर्दन में गोली मार दी। इलाज के दौरान 24 जनवरी 2021 को उसका देहांत हो गया। इस मुकदमे के सह अभियुक्त मनोज यादव को साक्ष्य के अभाव में न्यायालय द्वारा रिहा कर दिया गया। अभियोजन पक्ष द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत गवाहों की गवाही एवं अभिलेख पर उपलब्ध अन्य साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त को दोषी पाए जाने के बाद उपरोक्त सजा सुनाई गई।

नेपाल में रह रहे भारत के मतदाताओं को किया जा रहा है जागरूक

बीएनएम@अररिया

नेपाल में बड़ी संख्या में सीमावर्ती क्षेत्र के लोग मजदूरी या अन्य रोजगार के काम करते हैं ऐसे नेपाल में रह रहे अररिया,सुपौल सहित अन्य जिलों के श्रमिकों और लोगों को भारत में हो रहे लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए भारत नेपाल सामाजिक सांस्कृतिक मंच की ओर से जागरूक किया जा रहा है।नेपाल में बड़ी संख्या में कोशी और सीमांचल के लोग अपने और परिवार के जीविकोपार्जन के लिए रहते हैं। भारत-नेपाल सामाजिक सांस्कृतिक मंच के अध्यक्ष राजेश कुमार शर्मा और सलाहकार महेश साह स्वर्णकार के नेतृत्व मे नेपाल मे रह रहे अररिया और सुपौल जिले के नागरिक के बीच मतदान के लिए निमंत्रण पत्र दे कर लोगो को जागरूक कर रहे है।

मंच के अध्यक्ष राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि विराटनगर सहित मोरंग सुनसरी औद्योगिक कॉरिडोर मे काफी संख्या मे जिले के नागरिक कार्य करते है। काफी लोग पूरे परिवार के साथ ही रहते है, जिसकी संख्या हजारों मे है। कई बार कोशी प्रदेश से लगी नेपाल की सीमा अन्य जिले मे चुनाव के वक्त सील हो जाती है। जिस कारण सही जानकारी के अभाव में काफी संख्या में लोग मतदान से वंचित हो जाते है। जिसको लेकर इस लोकतंत्र के महापर्व मे नेपाल मे रह रहे कोशी सीमांचल के लोगो को आमंत्रण पत्र देकर मतदान के लिए मतदान से दो दिन पूर्व अपने गृह स्थल जाने का अनुरोध कर रहे हैं। इसके लिए पंप्लेट बनाया गया है जिसमे मन लुभावन स्लोगन लिखा गया है "भेज रहे है स्नेह निमंत्रण, मतदाता तुम्हे बुलाने को 7 मई 2024 भूल न जाना, वोट डालने आने को " जो लोगो को काफी उत्साहित कर रहा है।

मंच के अध्यक्ष शर्मा ने बताया कि सिर्फ कोशी प्रदेश के मोरंग जिले में अनुमानित हजारो की संख्या मे ऐसे लोग है जो रोजी रोटी के लिए नेपाल में रह रहे हैं।

दुर्घटना घटना के बाद आरोपी प्रमोद महतो फरार बताया जा रहा है

करंट की चपेट में आनें से तीन लोगों की मौत

बीएनएम@बिहारशरीफ

नालंदा जिले के कतरी सराय थाना क्षेत्र के तारा बीघा गांव में बिजली करंट लगने से शनिवार को तीन लोगों की मौत हो गयी। बताया जाता है कि उक्त गांव के एक मछली पालक द्वारा अपने मछली के तालाब को सुरक्षित रखने की मंशा से एक लोहे के छड़ से विद्युत प्रवाहित तार को फंसा कर गाढ दिया गया था।

शनिवार की सुबह पास के गिरियक थाना क्षेत्र के लाख चौक गांव निवासी पिंटू राम के 14 वर्षीय पुत्र गुलशन उक्त स्थान पर शौच के लिए गया था, जहां शौच के दौरान उक्त तालाब का पानी छूने के क्रम में वह करंट के चपेट में आ गए। करंट के चपेट में आते ही उनकी मौत मौके पर हो गई। घटना की जानकारी के बाद मृतक के दो मामा पंकज कुमार एवं मिथुन भांजे को बचाने को लेकर तालाब में कूद गए। जिससे दोनों की मौत करंट के चपेट में आने से हो गई। घटना के कुछ देर बाद ही मृतक गुलशन की भाभी की तबियत खराब हो चुकी है।

बताया जाता है कि नवादा जिले के तीरभोजना गांव निवासी प्रमोद महतो तारा विगहा में खिचड़ी पड़ोस की दुकान चलाते हैं। दुकान के समीप ही उनके द्वारा मछली पालन का कारोबार किया जाता है।

तालाब में मछली सुरक्षित रहे इसके लिए उन्होंने अपने पानी भरे तालाब में लोहे की छड़ में विद्युत प्रवाहित तार को बांधकर तालाब में गाढ दिया गया था।

घटना के बाद आरोपी प्रमोद महतो फरार बताया जा रहा है। मरने वालों में ताराबिगहा गांव निवासी 28 वर्षीय पंकज कुमार,25 वर्षीय मिथुन कुमार उर्फ मिट्ठू कुमार व गिरियक थाना क्षेत्र के लखाचक गांव निवासी पिंटू राम के 14 वर्षीय पुत्र गुलशन कुमार है। घटना में एक अन्य व्यक्ति के भी घायल होने की सूचना है, जिसका इलाज नवादा के वारसलीगंज में चल रहा है।

फारबिसगंज में दिखा पुलिस का मानवीय चेहरा भीषण गर्मी में बेहोश हुए बुजुर्ग के लिए लगायी दौड़

फारबिसगंज/अररिया। देश के कई राज्यों में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। कई इलाकों में तो पारा 40 -42 डिग्री तक पहुंच गया है, ऐसे में लोग इस तपती गर्मी से बेहाल है। वही, फारबिसगंज में हुए पीएम मोदी की रैली को देखने आए एक बुजुर्ग बेहोश होकर गिर पड़े तो वही मौजूद एक पुलिसकर्मी मसीहा बनकर आएं। उस पुलिस वाले ने दौड़कर उसे पकड़ा और छाव में बैठाया और उनके लिए दौड़कर पानी लाया और उन्हें पिलाया। जिसे देखकर लोगों ने उनकी काफी तारीफ भी किया।

मतदान कर्मियों के द्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का डीएम ने लिया जायजा

अररिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह- जिलाधिकारी इनायत खान ने शनिवार को अररिया पब्लिक स्कूल, स्टार ग्लोबल पब्लिक स्कूल एवं स्कॉटिश पब्लिक स्कूल में मतदान कर्मियों को दिये जा रहे द्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी अररिया द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का जायजा लेते हुए प्रशिक्षणार्थियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्र पर सभी मतदान पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए सभी मतदान पदाधिकारी मतदान केन्द्रों पर टीम भावना के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने ईवीएम एवं वीवीपेट के संचालन का भी सावधानी पूर्वक प्राप्त करने के निर्देश दिए।

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

संदेहात्मक स्थिति में किशोरी का शव बरामद

मोतिहारी। जिले के कोटवा थाना क्षेत्रांतर्गत सिहोरवा सायफन से एक किशोरी का शव शनिवार को पुलिस द्वारा संदेहात्मक स्थिति में बरामद होने के उपरांत पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है ।परिजनों के अनुसार किशोरी तीन दिन पहले से ही घर से गायब थी। मृतका की पहचान योगेंद्र राम की पुत्री निक्की कुमारी (14) के रूप में की गई है । किशोरी के गायब होने को लेकर परिजन खोज - बीन कर रहे थे इसी बीच शव बरामद हो गया।परिजनों ने बताया कि लोक - लाज के चलते पुलिस को सूचना नहीं देकर अपने स्तर से तलाश की जा रही थी।सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया है। थानाध्यक्ष राजरूप राय ने बताया कि मामला संदेहात्मक प्रतीत हो रहा है। उक्त मामले में पुलिस अग्रतर कार्यवाही में जुट गई है।अभी तक आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

धूलकण उड़ने से राहगीरों को परेशानी

बीएनएम@केसरिया

हाजीपुर-सुगौली रेललाईन परियोजना के निर्माणाधीन बिजधरी आरओबी के पास से राहगीरों को चलना मुश्किल हो गया है। इस मार्ग से हाजीपुर-अरेराज एसएच 74 सड़क मार्ग गुजरती है। जहाँ डायवर्सन बनाकर आरओबी का कार्य किया जा रहा है। इस डायवर्सन पर भारी मात्रा में धूलकण उड़ रही है। जिससे दिन में हीं रात की तरह नजारा देखने को मिल रहा है। ऐसी स्थिति में इस जगह दुर्घटना की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। पुल का निर्माण करा रही कंपनी इस डायवर्सन पर पानी का छिड़काव कराना मुनासिब नहीं समझती है। कमोबेस यही स्थिति केसरिया रेलवे स्टेशन के बजरंगी स्वीट्स के समीप भी है। यहाँ भी रेलवे में मिट्टीकरण के कारण धूलकण उड़ रही है। तेज हवा के कारण इन दोनों जगहों पर अंधेरा छा जा रहा है। बता दें कि इस सड़क मार्ग से भारी वाहन सहित हजारों छोटी-बड़ी गाड़ी प्रतिदिन गुजरती है। जिससे इन दोनों जगहों पर दुर्घटना की प्रबल संभावना नजर आ रही है।

नदी किनारे से अज्ञात युवती का शव बरामद

बीएनएम@केसरिया। गंडक नदी के सतरघाट पुल के नीचे शनिवार को एक युवती का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। जिसके बाद क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। हालांकि शव की पहचान नहीं हो सकी है। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी है कि तरबूज की खेती करने वाले किसान शनिवार को नदी किनारे फसल में सिंचाई करने गए थे। इसी बीच पुल के 13 नम्बर पाया के समीप एक बोरा में संदिग्ध वस्तु देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुँची पुलिस ने देखा तो बोरा में करीब 21 वर्षीय एक युवती का शव व ईंट रखा हुआ मिला। युवती के चेहरे पर बुरी तरह प्रहार किया गया है। आशंका है कि युवती की अन्यत्र हत्या कर शव को यहाँ लाकर फेंका गया है।। बिजधरी ओपी प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि शव की पहचान नहीं हो सकी है। पोर्स्टमार्टम कराकर पहचान को लेकर शव को 72 घण्टे तक रखा जाएगा।

60 हजार लीटर स्प्रिट सहित एक गिरफ्तार

एक किलो चरस व अर्बन क्रूजर कार भी जब्त

नशे के सौदागरों के बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़

बीएनएम@मोतिहारी

जिले पीपराकोठी के वाटगंज में मधनिषेध इकाई पटना व जिला पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 60 हजार लीटर स्प्रिट से भरा दो टैंकर व चरस बरामद करते हुए एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया है। इस बाबत पुलिस कप्तान कांतेश कुमार मिश्र ने बताया है कि लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। ऐसे में शराब व शराब धंधेबाजों की भी लगातार टोह ली जा रही है। गुप्त सूचना पर वाटगंज स्थित फौजी लाइन होटल से 2 टैंकर सहित 60 हजार लीटर स्प्रिट,1 किलोग्राम चरस,टोयटा की अर्बन क्रूजर कार व 1 मोबाइल फोन जब्त किया गया है।

गिरफ्तार तस्कर राजेश सिंह मोतीपुर थाना क्षेत्र का शातिर शराब कारोबारी है। इसके विरुद्ध मोतीपुर थाने में वर्ष 2011,13 एवं 18 में तीन उत्पाद अधिनियम का केस दर्ज है। पुलिस जब्त मोबाइल का कॉल डिटेल्स निकालकर शराब के सिंडिकेट में जुड़े अन्य तस्करों की खोज में छापेमारी शुरू कर दी है। पुलिस टीम में डीएसपी सदर 2 जितेश पांडेय, थानाध्यक्ष पीपराकोठी खालिद अनवर, एसआई पीपराकोठी राजेन्द्र सिंह, नन्दलाल पासवान, पीएसआई राजवीर, स्मिता राज श्री, पीपरा के पीएसआई धर्मवीर चौधरी सहित पुलिस बल शामिल थे।

संग्रामपुर के अग्नि पीड़ितों के लिए सामुदायिक किचेन हुआ शुरू

मोतिहारी। जिले में संग्रामपुर प्रखंड के उतरी मधुबनी पंचायत के अग्नि पीड़ितो के लिए सामुदायिक किचेन की शुरूआत की गयी है। साथ सभी अग्नि पीड़ितों के बीच अस्थायी आशियाना बनाने के लिए प्लास्टिक सीट भी वितरित किये गये।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को इस पंचायत के वार्ड संख्या -15 में भीषण आग लगने से करीब दो सौ से ज्यादा घर जलकर राख हो गये,साथ ही बड़ी संख्या में मवेशी और संपत्ति का भी जलकर नुकसान हुआ है। जिसके बाद डीएम सौरभ जोरवाल के निर्देश पर सीओ अतुल कुमार सिंह ने अग्नि पीड़तिों की सूची बनाकर अग्नि पीड़ितों के बीच राहत कार्य चलाया जा रहा है। सीओ ने बताया कि नियमानुसार सभी आपदा पीड़ितो को सहायता राशि मुहैया कराई जायेगी । फिलहाल यहां सामुदायिक किचेन शुरू किया गया है। साथ ही पीड़तों के बीच तत्काल प्लास्टिक व अन्य सामग्री वितरण किया जा रहा है।

टिफिन व्यवसायी के पुत्र ने जेईई मेंस परीक्षा में मारी बाजी

बीएनएम@मोतिहारी

जिले के रक्सौल शहर के टिफिन व्यवसायी के पुत्र विशेष राज ने जेईई मेंस की परीक्षा में 98.5 परसेंटाइल के साथ उत्तीर्ण कर जिले के मान को बढ़ाया है।

विशेष के पिता रक्सौल शहर के नागा रोड स्थित बाबा मठिया के निवासी सुनील कुमार भगत पटना में भोजनबंद टिफिन का व्यवसाय करते है। जिन्होने अपने बेटे की सफलता पर आंखो में खुशी जाहिर करते बताते है,कि बिशेष ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई रक्सौल शहर के एस.ए.वी. विद्यालय से की और कड़ी मेहनत से इस मुकाम को हासिल किया है। उन्होने बताया कि विशेष ने मैट्रिक परीक्षा में 97 प्रतिशत मार्क्स हासिल किया,तो हमने ठान लिया कि बेटे को अच्छा मुकाम दिलायेगे।जिसके लिए उन्होने रक्सौल छोड़ कर पटना को अपना ठिकाना बनाया और बेटे को पढ़ाने के लिए पटना में टिफिन व्यवसाय शुरू किया और दफ्तर दफ्तर खाना पैक कर टिफिन पहुंचाने लगे।आज मेरे बेटे ने हमारे संघर्ष को एक मुकाम दे दिया।

विशेष की इस उपलब्धि पर एस.ए.वी. विद्यालय के प्राचार्य साइमन रेक्स शिक्षक विक्टर डेका, मनदीप कुमार, कुंदन कुमार, रामभरोष कुमार, इंद्रजीत कुमार, अतुल सर्राफ, कृष्णा कुमार ने प्रसन्नता जाहिर करते उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

किसानों ने पानी की डिमांड की

बगहा। गंडक बराज के कार्यपालक अभियंता कृपानाथ चन्द्र विश्वास ने बताया कि किसानों के डिमांड को देखते हुए गंडक बराज डैम में जलभराव किया जा रहा है और जलभराव होते ही जल्द ही किसानों को पटवन के लिए जलापूर्ति की जाएगी। बतादें की फरवरी मार्च महीने में गंडक बराज का मेंटेनेंस कार्य किया जाता है इसके लिए बराज के सभी फाटकों को खोल दिया जाता है। बतातें चलें कि गंडक बराज डैम से नहरों के माध्यम से उत्तरप्रदेश और बिहार के लगभग 12 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई की जाती है।

पालनावा में 123 किलो गांजा के साथ ट्रक बरामद

बीएनएम@रामगढ़वा

पालनवा पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना मिलने के बाद एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर रक्सौल डीएसपी धीरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में रामगढवा व पलनवा थाना पुलिस ने पखनहिया बाजार के समीप छापेमारी करते हुए एक ट्रक सहित 123.8 किलो ग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार तस्कर की पहचान नेपाल के बारा जिला के कलैया बड़ा चौकी थाना क्षेत्र निवासी मुसाफिर हवारी के रूप में हुई है। जिसके पास से बरामद गांजा व तस्करी में प्रयुक्त ट्रक व मोबाइल को जब्त कर पलनवा थाना में कांड दर्ज करते हुए अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। रक्सौल डीएसपी धीरेन्द्र कुमार खबर की पुष्टि करते हुए बताया की गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई है! छापामारी टीम में रामगढवा थानाध्यक्ष सच्चिदानंद पाण्डेय, पालनावा थाना अध्यक्ष रमेश कुमार महतो, एसआई अजित कुमार सिंह,पीएसआई सुमित कुमार प्रसाद, पीएसआई अभिषेक कुमार पासवान व सशस्त्र बल शामिल थे।

उद्यमिता जागरूकता शिविर: उद्यमिता की सफलता की कुंजी है अनुसंधान: डॉ. कमलेश

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विवि की प्रबंध विज्ञान विभाग की ओर से चल रही तीन दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर संपन्न हो गया। शहर अंतर्गत बलुआ टाल स्थित विभागीय परिसर में केंद्र सरकार की विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग की ओर से प्रायोजित तीसरे व अंतिम दिन शनिवार को प्रबंध विज्ञान विभाग के अतिथि प्राध्यापक डॉ. कमलेश कुमार ने अपने संबोधन से शिविर की शुरूआत की। उन्होंने अनुसंधान एवं अनुसंधान संस्थान पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। साथ ही उद्यमिता के लिए अनुसंधान विकास, अनुसंधान

संस्थान व उनके कार्यक्रमों को भी छात्र-छात्राओं के बीच साझा किया। डॉ. कमलेश ने अनुसंधान को उद्यमिता की सफलता का कुंजी बताया। कहा कि एक उद्यमी के रूप में सीखते रहें और बढ़ते रहें। नई चुनौतियों का सामना करें और व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के अवसरों की भी तलाश करें। प्रबंध विज्ञान विभाग की पूर्ववर्ती छात्रा आभा शर्मा, जो वर्तमान में नंबर वन सेनेटरी हेल्थकेयर नाम की कंपनी की संस्थापक व सीओ है। उन्होंने छात्र-छात्राओं के बीच अपने अनुभव साझा किए। साथ ही बाजार में व्यवसाय के लिए मौजूद अवसरों पर भी चर्चा की। उन्होंने दृढ़ इच्छाशक्ति को उद्यमिता के लिए आवश्यक बताया। विभाग की अतिथि प्राध्यापक डॉ. स्नेहा चौरसिया ने उद्यमिता के लिए सरकार की ओर से संचालित योजनाओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। साथ ही उद्यमिता के लिए बैंक व वित्तीय संस्थानों के योगदान को भी बताया। उन्होंने शिविर में भाग ले रहे छात्र-छात्राओं से योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस बीच उन्होंने छात्र-छात्राओं द्वारा योजना संबंधित पूछे गए कई प्रश्नों का जवाब भी दिया। अंतिम सत्र में छात्रा-छात्राओं ने आयोजित तीन दिवसीय शिविर पर अपनी राय दी। उन्होंने शिविर को ज्ञानवर्धक व उत्साहित करने वाला कार्यक्रम बताया। शिविर का संचालन प्रबंध विज्ञान विभाग के फोर्थ सेमेस्टर के छात्र उत्सव जनप्रिय ने किया। वहीं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अलका ललहाल ने किया। मौके पर विभाग के प्राध्यापक के अलावा सौरभ द्विवेदी, अंजली शर्मा, श्रुति कुमारी, स्नेहा कुमारी, कुमार नमन, पल्लवी कुमारी, अमन कुमार, आकाश कुमार, विवेक आदि छात्र-छात्राएं उपस्थित थी।

स्कॉर्पियो टेम्पू की आमने सामने टक्कर 5 लोग घायल मलकौली अस्पताल में भर्ती

बगहा। बगहा वाल्मीकिनगर मुख्य सड़क मार्ग पर गोबरहिया स्थान के समीप स्कॉर्पियो और टेम्पू की आमने सामने टक्कर हो गई जिसमें 5 लोगों के घायल हो कि खबर है। सभी घायलों को पुलिस द्वारा मलकौली अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों की माने तो एक्सीडेंट के बाद आसपास के लोगों ने ड्राइवर को पकड़ कर बुरी तरह से पीटा है । हालांकि इस घटना में स्कॉर्पियो और टेम्पू बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। पीड़ति के परिजन वाल्मीकिनगर के कोटरहां निवासी इदरीस मियां ने बताया कि मेरी बहन मोतिहारी और बेतिया से मुझसे मिलने बगहा होते हुए दो टेम्पू से वाल्मीकिनगर आ रही थी कि आगे वाली टेम्पू से स्कॉर्पियो की टक्कर हो गई। इदरीस मियां ने बताया कि सभी घायलों को मलकौली अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में दोनो बहने गम्भीर रूप से घायल है।

जीविका दीदियों ने मतदान के दिन सब काम से पहले वोट डालने की अपील

बीएनएम@मोतिहारी

जिले के घोडासहन प्रखंड में बरवाकला पंचायत में जीविका घोडासहन के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जीविका दीदियों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम के तहत बापूधाम संकुल संघ बगही भेलवा, घोड़ासहन की जीविका दीदियों ने शपथ कार्यक्रम, जागरूकता रैली सहित ग्राम भ्रमण करते हुए सभी ग्रामवासियों को मतदान के महत्त्व एवं सम्बंधित जानकारियों को बताया गया। इस कार्यक्रम में जीविका बीपीएम अतुल मोहन झा ने जीविका दीदियों को लोकतंत्र के इस महापर्व में उत्साह के साथ

शामिल होकर मतदान करने हेतु प्रेरित किया और कहा की मतदान के दिन पहले मतदान करें, उसके बाद कोई अन्य काम करें। आप अपने क्षेत्र के लिए कैसा नेता चुनते है यह आप पर निर्भर करता है अगर आप अपने पसंद की सरकार बनाना चाहते है तो आने वाले लोक सभा चुनाव में अपना वोट अवश्य डाले। इसके बाद जीविका कर्मी शशि भूषण और प्रमोद कुमार ने भी उपस्थित दीदी और अन्य जन को लोकतंत्र में सक्रीय भूमिका निभाने के लिए आग्रह किया और कहा की जो लोग मतदान के दिन वोट नहीं डालेंगे वो अपने अधिकार के महत्ता को नहीं समझते। भारतीय लोकतंत्र की यही खासियत है की इसमें चुनाव का समान अधिकार है और इस मतदान में कोई छोटा बड़ा नहीं होता है।

सबको अपना मत देने का अधिकार है। इसके बाद जीविका कर्मी सुमन शतराम और अखिलेश कुमार के द्वारा वीवीपी पैड मशीन के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया। इसके बाद सैकड़ों की संख्या में जीविका दीदियो ने जागरूकता रैली निकाली जिसमे संदीप कुमार और अन्य स्थानीय लोग भी शामिल हुए।

सेक्टर पुलिस पदाधिकारी के साथ जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने की बैठक

मोतिहारी। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर विधानसभावार बनाए गए सेक्टर पदाधिकारियों एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों के साथ जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा लगातार बैठक कर सभी जरूरी निर्देश दिए जा रहे हैं। आज जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा के द्वारा 10-रक्सौल,11-सुगौली तथा 12- नरकटिया विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर पदाधिकारियों के साथ सुगौली प्रखंड सभागार बैठक कर समीक्षा की गई।

बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा सभी सेक्टर पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी सेक्टर पदाधिकारी क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहें और आचार संहिता के अनुपालन पर कड़ी नजर रखें। निर्वाचन आयोग के निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन कराना सेक्टर

पदाधिकारी की महत्वपूर्ण जिम्मेवारी है। डीएम ने कहा कि जो भी संवेदनशील क्षेत्र है वहां पर लगातार नजर बनाए रखें एवं कहीं भी कोई तनाव की स्थिति पता चले तो उसकी सूचना तुरंत वरीय पदाधिकारी को दें। डराने, धमकाने जैसे कृत्य के विरुद्ध 107 की कार्रवाई के लिए तत्काल सूचना दें। डीएम ने कहा कि सभी नाकों को पूर्ण रूप से एक्टिव करें। वहां निरीक्षण पंजी रखें और जो भी कार्रवाई की जा रही है, निरीक्षण पंजी में उसे अंकित करें। नाकों पर पेयजल की भी व्यवस्था कराई जाए। डीएम ने कहा कि सभी 39 जगह जहां एसएसटी की प्रतिनियुक्ति की गई है वहां सीसीटीवी कैमरे लगाने के आदेश निर्गत कर दिए गए हैं। सीसीटीवी कैमरा भी जल्द ही इंस्टॉल करवाई जाए। सेक्टर को कहीं कोई परेशानी हो तो तुरंत संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी को इसकी सूचना देंगे।

जिलाधिकारी के द्वारा बैठक में मुख्य रूप से ईवीएम कमिशिनंग, पोस्टल बैलेट से मतदान की प्रक्रिया एवं तिथि के बारे में बताया गया। सेक्टर पदाधिकारी को मतदान से पूर्व, मतदान के दिन एवं मतदान के पश्चात किए जाने वाले कार्य एवं बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। जिलाधिकारी के द्वारा मतदान की तिथि से 5 दिन पहले से लेकर मतदान की समाप्ति तक सेक्टर पदाधिकारी द्वारा किए जाने वाले कार्यों को विस्तार से बताया गया और उसे ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। 10-मोतिहारी विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर पदाधिकारी के साथ समाहरणालय स्थित डॉ राजेंद्र प्रसाद सभा भवन में बैठक कर सभी जरूरी निर्देश दिया गया। यहां पर जिलाधिकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया कि बाहर से आने वाले बल के अवसान स्थल पर बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराना सुनिश्चित कराई जाए। प्रखंड विकास पदाधिकारी अवसान स्थल का लगातार भ्रमण कर की जा रही तैयारी को देखते रहें और कहीं कोई कमी मिले तो उसे शीघ्र दुरुस्त कराई जाए। अवसान स्थल पर व्यवस्थाओं को देखने के लिए सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को एक डेडीकेटेड टीम लगाने का निर्देश दिया गया ताकि कोई भी समस्या आए तो उसका तुरंत निदान किया जा सके।

समीक्षा : टिकाऊ चमचों की वापसी वैचारिक व्यंग्य संग्रह है

विवेक रंजन श्रीवास्तव , भोपाल

किताब की शुरुवात लेखक के मन में उद्भूत विचारों से होती है. लेखक लिखता है . कम्पोजर कम्पोज कारता है. अक्षर शब्द और शब्द वाक्य बन जाते हैं, भाव मुखर हो उठते हैं. प्रकाशक छापता है. समारोह पूर्वक किताबों के विमोचन होते हैं. समीक्षक चर्चा करते हैं. किताब विक्रेता से होते हुये पाठक तक पहुंचती है. पाठक जब पुस्तक पढ़कर लेखक की वैचारिक यात्रा में बराबरी से भागीदारी करता है, तब किंचित यह यात्रा गंतव्य तक पहुंचती लगती है.

रचना के दीर्घगामी प्रभाव पड़ते हैं. लेखक सम्मानित होते हैं, पाठक रचनाकार के प्रशंसक, या आलोचक बन जाते हैं. अर्थात किताब की यात्रा सतत है, लम्बी होती है. अशोक व्यास व्यंग्य के मंजे हुये प्रस्तोता हैं. टिकाऊ चमचों की वापसी उनकी दूसरी किताब है. सुस्थापित लोकप्रिय, भावना प्रकाशन से यह कृति अच्छे गेटअप में प्रकाशित है.

सूर्यबाला जी ने प्रारंभिक पन्नो में अपनी भूमिका में पाया है कि लेखक अपने व्यंग्य कर्म में कहिं भी असावधान नहीं है. लालित्य ललित ने संग्रह के व्यंग्य पढ़कर आशा व्यक्त की है कि अपने आगामी संग्रहों में लेखक की चिंताये और व्यापक व अंतर्राष्ट्रीय हों. इस संग्रह में बत्तीस व्यंग्य हैं. पाठको के लिये विषयों पर सरसरी नजर डालना जरूरी है. अंग्रेजी घर पर है ?, अजब गजब मध्य प्रदेश , अध्यक्ष जी नहीं रहे. अध्यक्ष जी अमर रहें, आइए सरकार, जाइए, आभासी दुनिया का वास्तविक बन्दा, कलयुग नाम अधारा आपका आधार कार्ड, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भारतीय तरीका, कोरोना कल्चर का प्रभाव, कोरोना की कृपा, गोद ग्रहण समारोह, जा आ आ जा आ आ दू !

जा आ आ दू , टिकाऊ चमचों की वापसी, ताली बजाओ ताल मिलाओ, दामाद बनाम फूफाजी, बुरा नहीं मानेंगे... चुनाव है, भारत निर्माण यात्रा, मध्यक्षता करा लो... मध्यक्षता, रंगबाज राजनीति, लिव आउट अर्थात छोड़ छुट्टा, विश्व युद्ध की संभावना से अभिभूत , सड़क बनाएँ, गड्ढे खोदें सतर्क मध्यमार्गी , सत्तर प्लस का युवा गणतन्त्र, साहित्यमति का बाहुबली साहित्यकार, सेवा के लिए प्रवेश, ज्ञान के लिए प्रस्थान, सोशल मीडिया के ट्रैफिक सिग्नल, हलवा वाला बजट , हाँ. मैं हूँ सुरक्षित !

होली के रंग बापू के संग, ईश्वर के यहाँ जल वितरण समस्या, जैसे दूरदर्शन के दिन फिरे और पोस्ट वाला ऑफिस डाकघर शीर्षकों से हजार, पंद्रह सौ शब्दों में अपनी बात कहते व्यंग्य लेखों को इस पुस्तक का कलेवर बनाया गया है. टाइटिल लेख टिकाऊ चमचों की वापसी से यह अंश उधृत करता हूं, जिससे आपको रचनाकार की शैली का किंचित आभास हो सके. प्लास्टिक के चमचों की जगह फिर धातुओ के चम्मचों का इस्तेमाल पसंद किया जा रहा है, यूज एण्ड थ्रो के जमाने में स्थायी और टिकाउ चमचों की वापसी स्वागत योग्य है . वह चमचा ही क्या जो मंह लगाने के बादस फेंक दिया जाये ... जैसे स्टील के चमचों के दिन फिरे ऐसे सबकें फिरें ... . अशोक व्यास अपने इर्द गिर्द से विषय उठाकर सहज सरल भाषा में व्यंग्य के संपुट के संग थोड़ा गुदगुदाते हुये कटाक्ष करते दिखते हैं .

परसाई जी ने लिखा था बलात्कार कई रूपों में होता है . बाद में हत्या कर दी जाती है . बलात्कार उसे मानते हैं जिसकी रिपोर्ट थाने में होती है. पर ऐसे बलात्कार असंख्य होते हैं जिनमें न छुरा दिखाया जाता है न गला घोंटा जाता है , न पोलिस में रपट होती है।

अशोक जी ने हम सबके रोजमर्रा जीवन में हमारे साथ होते विसंगतियों के ऐसे ही बलात्कारों को उजागर किया है, जिनमें हम विवश यातना झेलकर बिना कहीं रिपोर्ट किये गूंगे बने रहते हैं . उनकी इस बहुविषयक रिपोर्टो पर क्या कार्यवाही होगी ? कार्यवाही कौन करेगा ? सड़क पर लड़की की हत्या होती देखने वाला गूंगा समाज ? व्हाटस अप पर क्रांति फारवर्ड करने वाले हम आप ? या प्यार को कट पीसेज में फ्रिज में रखकर प्रेशर कुकर में प्रेमिका को उबालकर डिस्पोज आफ करने वाले तथाकथित प्रेमी ?

हवा के झोंके में कांक्रीट के पुल उड़ा देने वाले भ्रष्टाचारी अथवा सत्ता के लिये विदेशों में देश के विरुद्ध षडयंत्र की बोली बोलने वाले राजनेता ? इन सब के विरुद्ध हर व्यंग्यकार अपने तरीके से, अपनी शैली में लेखकीय संघर्ष कर रहा है . अशोक व्यास की यह कृति भी उसी अनथक यात्रा का हिस्सा है . पठनीय और विचारणीय है .

पुस्तक चर्चा

टिकाऊ चमचों की वापसी
अशोक व्यास
भावना प्रकाशन, दिल्ली
संस्करण २०२१
अजिल्द , पृष्ठ १२८, मूल्य १९९ रु
चर्चा... विवेक रंजन श्रीवास्तव, भोपाल

मैं कह सकता हूं कि टिकाऊ चमचों की वापसी वैचारिक व्यंग्य संग्रह है. अशोक व्यास संवेदना से भरे, व्यंग्यकार हैं . संग्रह खरीद कर पढ़यि आपको आपके आस पास घटित, शब्द चित्रों के माध्यम से पुनः देखने मिलेगा . हिन्दी व्यंग्य को अशोक व्यास से उम्मीदें हैं जो उनकी आगामी किताबों की राह देख रहा है.

एक लम्बी उड़ान सफलता की ओर

ये है जानभी चौधुरी, जो की ओड़शिा की रहने वाली है। ये एक ग्रेजुएट शिक्षक है। इन्हे संगीत गाना, पेन स्केच करना, प्रकृति फोटोग्राफी करना, सबकी मदत करना, नया कुछ सिखना और नृत्य करना बेहत पसंद है। पहले से इनको लिखना इतना पसंद नहीं था, मगर इनके जीबन में कुछ ऐसा हुआ की, वह डिप्रेशन से गुजरने लगी थी, उनकी मानसिक स्थिति का असर उनके पढ़ाई और तबीयत पर होने लगा, उनकी दशा बहुत बुरी हो गयी थी मगर तभी से उन्होंने लिखना शुरू किया, अपने अंदर के जज़्बातों को कागज़ में ज़ाहिर करना शुरू किया।

अपने हाल को शब्दों में पिरोना शुरू किया। मगर वह कभी हार नहीं मानी और डटकर अपने परिस्थिति का सामना किया और तब इनके माता -पिता ने ही इनका खोया हुआ आत्मबिस्वास बढ़ाया।

वह कहती है, सब हमे समझाने लगे मगर असर तब हुआ जब हम खुदके साथी बने, खुदसे प्यार करना सीखा और अँधेरे में गिरते -संभलते उसने अकेले रोशनी में चलना सिख ही लिया। और आज उन्हे लिखते -लिखते 3-4 साल हो गए हैं।

वह बिश्वास करती है, जो पहले लिखना

पसंद नहीं करती थी आज उसी लेखन से उसके जीबन को एक नयी दिशा दे दी है और ऐसी कोई जगह नहीं है की, जहाँ उनका लिखन न हो, उन्हे कविता, गद्य, शायरी, मोटिवेशनल स्टोरी और अनुच्छेद लिखना बहुत पसंद करती हैं।

स्टोरी मिरर पर भी उनका लिखन है और वह पॉडकास्ट भी करती है। आज न जाने कितने भटके लोगों को वह रास्ता दिखा चुकी हैं। उनका लक्ष्य है की वह सबकी मदत करें, जिस अवस्था से वह गुज़र चुकी है, उससे कोई और न गुज़रे

।वह समाज के लिए आज के युवा के लिए अपने लिखन के माध्यम से मदत करना चाहती है। उनका इंस्टाग्राम पेज है, जहाँ वह 2000+ से ज़्यादा लोगों से जुडी हुई है, अपने लिखन और वॉइस ओवर रील्स के माध्यम से। उनका लक्ष्य है, की वह कभी करोड़ों लोगों की आवाज़ बने, एक मोटिवेशनल स्पीकर बने और लोगों को प्रेरित करें। ये बहुत संकलन में काम कर चुकी है अभी भी कर रही है , बहुत संकलन में ये खुद संकलक भी रह चुकी हैं। इनकी अपनी संकलन है, कलयुग- काल का युग , दिल की बातें (Sarvad Publication), हाल -ए -ज़दिगी - The Untamned (Brown Page Publication), Culture Vs Modernity (Ek Shayar Ki Baate Publication), 90's Memories-The Nostalgia Alert (Uniq Publication) और हाली में लांच हुआ है, माँ -एक सच्ची कहानी, एक संघर्ष की निशानी (JEC Publication) और बहुत से समाचार पत्र में भी प्रकाशित हुई है। जैसे की, संस्कार समाचार, The Gram Today समाचार, Redhanded समाचार, हम हिंदूस्तानी USA (एक साप्ताहिक हिंदी बिदेशी समाचार पत्र), Coalfield Mirror समाचार, युग जागरण समाचार, दैनिक रोशनी समाचार, रुहेला टाइगर्स टाइम्स समाचार, दैनिक साहित्य समाचार, इंदौर समाचार, भारत टाइम्स समाचार, झंझट टाइम्स और राजगीर फ्रंटलाइन समाचार पत्र।इन्हे बहुत पदक, सम्मान पत्र और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है।

विश्वाकाश ग्रंथ रचनाकार के द्वारा सम्मानित पत्र प्राप्ति हुई है इन्हे। विश्वाकाश के चमकते सूर्य 2023 में मिला है इन्हे सम्मान पत्र।

इनकी पुस्तके Amazon, Flipkart पर है और Play Book Store पर भी है। और ये सफलता का श्रेय अपने ईश्वर, अपने पिता -माता और अपने करीबी लोगों को देती है।और बिश्वास करती है की अगर आत्मबिस्वास हो तो इंसान अपनी परिस्थिति का सामना कर, अपनी किस्मत खुद बदल सकता है।

संध्या चतुर्वेदी, मथुरा, उप्र

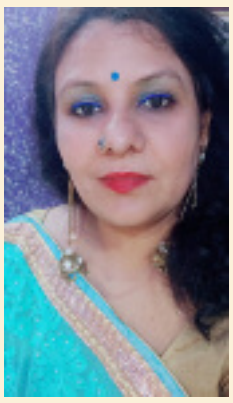

कैसी यह मुहब्बत

कैसी यह मुहब्बत है दोस्तो
कट रही रोज टुकडों में दोस्तों

जब प्यार था तब घर वार छोड़ दिया
आज उस ने ही यार प्यार छोड़ दिया

दिल से उतार फैंक दो उसे तुम
जिसने तुझे दिल से निकाल दिया

सौ टुकड़ो में कटने से अच्छा है
कि अकेले जिंदा रह लेना दोस्तों

जिंदगी जीने की सौ वजह ढूंढ लेना दोस्तों
तुम्हारे साथ जो हो रहा उस से उबर कर

दूसरों के लिए थोड़ा जी लेना दोस्तों
गम न करना मुहब्बत गंवाने का जरा भी

मिलती नहीं यह जिंदगी दुबारा तो
कुछ अपनी फिक्र कर लेना दोस्तों।।

ममता सिंह राठौर कानपुर

कदम भी अपना सफर

मोहब्बत लिखा तो पूछा यह क्या लिखा
नफरतों में यही सवाल किसके लिए लिखा।।

अरे बाबा लिखने दीजिए ख़ुद से जीने दीजिए
मन के विस्तृत आंगन में आने _ जाने दीजिए।।

अनुभवों के रंग से जिंदगी रगने दीजिए
अरे बाबा जिंदगी के स्वाद को चखने दीजिए।।

हदों के पार का ख़ामोश देखिए
मोल _तोल के बीच का झोल देखिए।।

अरे देखिए तो सही
जिंदगी का कड़वा कठोर देखिए
कदम भी अपना सफर भी अपना चलते चलिए।।

कही _सुनी कुछ _तुड़ी मुड़ी
मीठी खट्टी मिली जुली
यह जिंदगी किसकी खातिर,
मन के माफिक कौन है साथी।।

सहज और सरल भाव से पाठकों के अतंस तक पहुंचती हैं रचनाएं

डॉ पुष्पा जोशी

बहरुपिया चांद जैसा कि इस काव्य-संग्रह का नाम है। वास्तव में चांद बहरुपिया ही है। सत्ताईस नक्षत्रों को एक-एक दिन स्वयं में आत्मसात करता हुआ अपने आकार को प्रतिदिन परिवर्तित करता रहता है।

कभी दूज का चांद कभी परेवा का चांद कभी चौथ का चांद कभी पूरी तरह अदृश्य अमावस्या का कभी पूर्ण रूप धर अपनी अद्भुत छटा बिखेरता चांद.....अब देखते हैं डॉ ज्योत्स्ना जी का चांद कैसा है.....

चांदी से चमकीले
कभी पीले कभी नीले
रौशनी से भरे-भरे
तारों संग इठलाते हो
बहरुपिया हो चांद तुम
कभी मामा ,कभी भाई
कभी बेटा ,कभी साजन
कभी गहना,कभी दुल्हन

मुझे लगता है चांद के रुप वर्णन करने से कोई लेखक, कवि अछूता नहीं रहा होगा। गद्य हो या पद्य चांद सभी जगह अपनी पकड़ बनाए रहा। हमारी डॉक्टर साहिबा ने तो चांद को पूरा काव्य -संग्रह ही समर्पित कर डाला।

कवयित्री का प्रथम काव्य-संग्रह ७५ छंदमुक्त कविताओं के साथ काव्य का अमृत महोत्सव मना रहा है। बहरुपिया चांद कविता-संग्रह में कोई भी विषय अछूता नहीं रहा है। मानवता,राष्ट्र, प्रकृति, सम्बन्ध और दोस्ती पर भी कविताएं पाठकों को यहां पढ़ने को मिलेंगी। वैसे भी दोस्ती कविता न रची गई हो तो सब निरर्थक सा लगता है। अरे ! दोस्त ही तो दोस्त की आंखों से बरसात की बूंदों में से आंसू पहचान लेता है।' दोस्ती ' 'दोस्त हैं वो मेरा ' 'ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेगे ' इन तीनों कविताओं का निचोड़ रही है....

बिन दोस्त जीना
क्या जीना, दोस्त
खूं के रिश्ते से भी
अज़ीज़ लगते हैं

दोस्त के लिए कही गई इस बात को किसी कसौटी की आवश्यकता नहीं।' पूनम की रात आज ' कविता में उत्कृष्ट श्रृंगार की छटा देखते ही बनती है-

ओढ़ के चूनर सितारों भरी
निकला लो चांद आज

यहां चांद का मानवीकरण पाठकों को देखने को मिलेगा।

' परिभाषा प्रेम की ' कविता की बानगी देखें...

तोड़ देता कारागार
काट देता लौह बन्धन
लांघता उफनते सागर
तोड़ता हर वर्जना
कुछ भी कर सकता है प्रेम
क्योंकि प्रेम तो बस प्रेम है

मेरे विचार से प्रेम को परिभाषित नहीं किया जा सकता।वह तो अनंत है,असीम है, अद्भुत अनुभूति का द्योतक है। प्रेम की कल्पना परिकल्पना उसे बांध नहीं सकते।

'प्यारी हिन्दी' , 'तेरे लिए ऐ देश मेरे ','गुरु महिमा ' कविताएं अलग-अलग कलेवर से पाठकों को अपनी भाषा का मान ,देश की शान और गुरु की सम्मान करने की सीख देंगी।

' लो जी होली तो होली ' , 'आज रंग है ',छिपाओ न प्रीत .....

होली के रंगों से पाठकों को सराबोर करती हुई कविताएं फाग के माह में पहुंचा देंगी। डॉ ज्योत्स्ना जी काव्य-संग्रह का श्री गणेश सरस्वती वंदन फिर गुरुओं के नमन से किया है।

मेरा मानना है कि अपने प्रथम काव्य-संग्रह बहरुपिया चांद में कवयित्री डॉ ज्योत्स्ना सिंह जी ने अपने शब्द-चयन और शिल्प-सौष्ठव में परिपक्वता का परिचय देते हुए अत्यंत सहज और सरल भाव से पाठकों के अतंस तक पहुंचने का प्रबंध कर लिया है। आपकी काव्य का स्थाई भाव उत्कृष्टता में विराट का सृजन करे। ज्योत्स्ना जी आप कालजयी सृजन करती हुई कविता यात्रा में अग्रसर हों। बहरुपिया चांद आपके लिए मील का पत्थर साबित हो। अमृत प्रकाशन को भी उत्कृष्ट काव्य -संग्रह प्रकाशित करने के लिए हार्दिक बधाई देती हूं। डॉ ज्योत्स्ना जी को बहरुपिया चांद कविता-संग्रह के आत्मिक बधाई, शुभकामनाएं देती हूं।

पुस्तक समीक्षा-बहरुपिया चांद (कविता-संग्रह)

रचयिता-डॉ.ज्योत्स्ना सिंह 'अंदलीब'
छंदमुक्त कविताएं-75 मूल्य-350 रूपए
पृष्ठ-168 अमृत प्रकाशन दिल्ली

पूजा 'बहार'

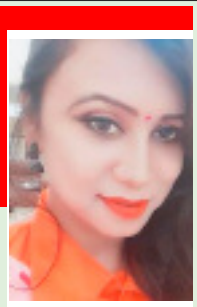

उसने बिना मांगे
सब कुछ दिया।।

दर्द दिया
तन्हाई दी
आँसू दिए
बेवफाई दी।।

ज़माने भर के
ग़म दिए।।

रुसवाईयां दीं
नहीं दिया तो बस
वो थोड़ा सा
वक़्त।।

जिस पर
मेरा हक़ था
सिर्फ मेरा!!!

राजा मीना
मीना हाई कोर्टनांगल राजावतान
दौसा (राज.) मो.9782253457

कविता : मां

मां ऐसा कहती है
संभल संभल के चलना बेटा
दुनियां की राहों में कष्ट बहुत आएगा बेटा
जीवन की इन पड़ावों मे
ये संसार ऐसा ही हैं
जिसने सीता माता पर भी
मिथ्या आरोप लगाया था
तुम तो साधारण सी लडकी हो
दुनिया कि बातो उलझ गई तो
मार्ग भटक जाओगी
सोच समझकर निर्णय लेना बेटा
दुनिया की इन राहों में
द्रौपदी की लाज बचाने
कृष्ण मुरारी आये थे
अब तो कलयुग है कृष्ण कहां से आएंगे
कैसे तुम्हे बचायगे
तुम्हे अपनी लड़ाई
स्वयं लड़नी होगी वीरागना बनकर
अपनी रक्षा स्वयं करनी होगी
यदि हिम्मत हार गई तो
कैसे तो कैसे लड़ पाओगी
हिम्मत साहस से चलना बेटा
दुनिया की इन राहों में ।।

व्यंग्य: सुबह और शाम चाय का नाम

अशोक व्यास

चाय को अंतर्राष्ट्रीय पेय की मान्यता शायद अभी तक नहीं मिली हो लेकिन एक आम भारतीय सुबह उठकर भगवान का नाम भले ही न ले परन्तु वह चाय को इतनी शिद्दत से याद करता है कि सारी कायनात उसकी इच्छा को पूरी करने के लिये परिवार सहित जुट जाती है . साथ में परिवार के सदस्य भी चाय पीने के लिये लालायित होने लगते हैं. इसी वजह से भारत में चाय को भारतीयों ने अघोषित रूप से राष्ट्रीय पेय का दर्जा दे रखा है और अनुमान है कि विश्व में सबसे अधिक चाय उत्पादन के साथ साथ सबसे अधिक चाय पीने का सोभाग्य भी हमें ही प्राप्त है.

हम सुबह उठने से लेकर रात को सोने के समय तक कभी भी चाय पी सकते हैं चाय पीना हमारा सबसे बड़ा शौक है, पेशन है. उसकी गरिमा कम ना हो जाये इसलिए जैसे पेट्रोल के दाम यदाकदा बढ़ जाते है उसी प्रकार सरकारी और गैर सरकारी दूध बेचने वाले भी दूध के दाम अक्सर बड़ा देते हैं. अगर नहीं बढ़ाएं तो लगता है कि चाय की प्रतिष्ठा कहीं कम तो नहीं हो गई है। अतः दूसरे ही महीने फटाक से दूध या चायपत्ती या शक्कर में से किसी ना किसी के दाम बढ़ ही जाते हैं तब जाकर छाती में ठंडक नहीं गर्मी का एहसास होने लगता है. वैसे अब आवश्यक वस्तुओं का भाव बढ़ने से कोई आश्चर्य नहीं होता है क्योंकि इससे हमारी क्रय शक्ति बढ़ने का सरकार को पता चलता रहता है जिससे उसे टेक्स बढ़ाने में सुविधा हो जाती है. अगर दाम नहीं बढ़े तब जरूर ऐसा लगता है कि आम आदमी की किरकिरी हो गई हो कि यह साला चाय का खर्च भी वहन करने की कुव्वत नहीं रखता है. दूध के दाम बढ़ गए तो ऐसा लगा जैसे अंतर्राष्ट्रीय बाजार मे कच्चे तेल के दाम बड़ गए हो. चाय पत्ती पहले ही 'पत्ता पत्ता बूटा बूटा हाल हमारा जाने' की तरह हो गई है शक्कर की मिठास किसान को गन्ने पर मिलने वाली सब्सिडी पर निर्भर है. मतलब यह है कि भारतीय अपना राष्ट्रीय पेय पीने पर गर्व की अनुभूति कर सकते हैं. कुछ तो चाय की ज्यादा तारीफ करके हमने ही उसकी आदतें खराब की कि वो स्पेशल हो गई है क्योंकि पहले होती थी चाह वाली चालू चाय और अब वह बन गई है गोल्डन, कड़क मीठी स्पेशल चा.....य जब वह वाकई में चालू हुआ करती थी तब उसकी जो इज्जत थी वह इस कारण थी कि चाय तब ही चाय मानी जाती थी जब वह लबसोज हो, लबदोज हो और लबरेज हो यानी चाय इतनी गरम हो की होंठ जल जाए, इतनी मीठी हो की होंठ चिपक जाए और प्याले में इतनी भरी हो कि प्लेट में डालकर सुड़कते हुए पिया जाए.

एक जमाना था जब चाय पीते हुए एक से बढ़कर एक चर्चाएं होती थी उसके बाद एक दौर आया की चाय पीते हुए चर्चा नहीं बल्कि खुद चाय पर चर्चा होने लगी इस चक्कर में सरकारों की चला चली के बेला आ गई थी. बताओ भला यह क्या बात हुई कि जो बातें चाय पीते हुए होती थी उसे छोड़कर सब चाय पर चर्चा करने लगे. इस चक्कर में आजकल चाय पीने वालों का अवमूल्यन होने लगा है किसी से चाय पीने का पूछो तो कोई कहेगा नहीं मैं चाय नहीं पीता हूं, दूसरा कहेगा बस थोड़ी सी देना,

चौथा कहेगा मैं तो काफी पीता हूं, पांचवा कहेगा में तो कुछ और पीता हूं. यह तो सरासर अपमान है अंग्रेजों की दी गई नेमत का. हालांकि उसमें भारतीय किचन के जितने मसाले हैं उसे डालकर हम उसे अमृत बना चुके हैं. अब यह हो रहा है कि चाय की चर्चा नहीं, चाय पर चर्चा नहीं, चाय पर खर्चे की बात होने लगी. मंहगी चाय पत्ती, पेट्रोल के बड़ते दामों की तरह अचानक दूध के दाम में बढोतरी, अंतरराष्ट्रीय बाजार में शक्कर की कमी के कारण निर्यात करना यह सब फालतू बातें होने लगी. पुराने लोगों से पूछो तो वह कहेंगे 'साहब चाय तो हमारे जमाने में पी जाती थी यह नए लोग क्या जाने एक प्याली में दो घूंट भी बड़ी मुश्किल से पी पाते हैं. हमारे जमाने में तो थाली में डालकर चाय पीते थे. उसके बाद गिलास भरकर पीने लगे फिर कप प्लेट का जमाना आ गया तो उसमें भी हमने कोई कमी नहीं की थी दो कप चाय से कम नहीं पीते थे वर्ना तोहीन मानी जाती थी चाय की और पीने वाले दोनों की '.

चाय का जीवन में पिछली शताब्दी में इतना महत्व था कि जब भी किसी जवान हुई कन्या की मां को उसकी शादी का ख्याल आता था तो वह होने वाले दामाद को चाय पर बुला लेती थी. तब वह कन्या भी फट से समझ जाती थी और अपने प्रेमी से गा गा कर कहती थी कि ' शायद मेरी शादी का ख्याल दिल में आया है इसीलिए मम्मी ने मेरी तुम्हें चाय पर बुलाया है'.

सगाई संबंध कराने में चाय का इससे बड़ा सामाजिक योगदान क्या हो सकता है. सत्तर अस्सी के दशक में तो कन्या के हायर सेकेंडरी करने के बाद होम साइंस से ग्रैजुएट करने को शादी से पूर्व का वेटिंग इन पीरियड माना जाता था. तब और कुछ सीखती या ना सीखती टीकोजी बनाना जरूर सीखती थी. आज की पीढ़ी अगर सुन ले तो उसे कोई पारले जी की तरह कोई बिस्कुट समझ ले जबकि यह भी अंग्रेजों की देन थी.

उस समय टीकोजी का एक ही बार इस्तेमाल होता था जब लड़का उस कन्या को देखने आता था. तब कन्या सर पर पल्ला रखकर आहिस्ता और सधे हुए कदमों से चलकर आती थी घरवाले कहते थे 'बेटी मेहमानों को चाय पिलाओ' तब वह छोटी बहन या भाभी द्वारा पहले से लाई गई घर के एकमात्र टीसेट जिसका काम भी एक ही बार पड़ता था उस की केटली से टीकोजी ऐसे उठाती थी जैसे किसी का घूंट उठाया जा रहा हो. तब एक हाथ से केटली के हैंडल को और दूसरे हाथ को ढक्कन पर रखकर कप में चाय भरकर मेहमानों को देती थी. इस सारी प्रक्रिया को लड़के के साथ आने वाली महिलाएं इतनी तीक्ष्ण दृष्टि से देखती थी जैसे होम साइंस प्रेक्टिकल का परीक्षक देख रहा हो. बिना आवाज किए, बिना चाय गिरे अगर लड़की ने चाय को पेश कर दी तो समझो प्रैक्टिकल में पूरे नंबर मिल गए आगे तो संबंध पक्का होना ही समझो.

इसी प्रकार कोई भी धार्मिक कर्मकांड बिना चाय का दौर चले पूरा नहीं माना जाता है उसमे पूजा सामग्री के साथ चाय का भी प्रावधान करना पड़ता है।

बच्चों में बढ़ती ऑनलाइन शापिंग की आदत, कैसे कंट्रोल करें

स्नेहा सिंह

बच्चों की ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर मां-बाप बच्चों की छोटी उम्र से ही बचत की आदत डालते हुए पालें-पोसें तो आगे चल कर उनकी जिंदगी आसान बन जाएगी। पूर्वी, तुमने फिर से शापिंग की? मेरे एकाउंट से दो हजार रुपए कट गए हैं। मोना ने बेटी से पूछा। पूर्वी अभी भी फोन में शापिंग साइट्स सर्च कर रही थी। फोन में ही आंखे गड़ाए हुए उसने कहा, हां मॉम, कल की है, दो टीशर्ट खरीदी हैं। एक बेल्ट फ्री मिली है। और हां, एक जींस आज ली है। केवल 999 की।

अरे, पर तुम्हें पूछना तो चाहिए। मुझे आज लाइट बिल भरना है। अब कुछ मत खरीदना ऑनलाइन, खाते में थोड़े ही रुपए हैं। कालेज की फीस भी तो भरनी है। अभी फिल्म देखने या घूमने न जाओ तो ठीक रहेगा। जब तक कोरोना का नुकसान न पूरा हो जाए, ज्यादा पैसे मत खर्च करो। पैसा बचाना सीखो बेटा। देखो न, लाइट बिल ही तीन हजार रुपए आया है। जिस तरह एसी चलाती हो, उस तरह कोई एसी चलाता है।

इंटरनेट का भी खर्च थोड़ा कम करो। एक तो सागसब्जी कितनी महंगी हो गई है। भगवान न करे ऐसे में किसी की तबीयत खराब हो गई तो अस्पताल का खर्च फाइवस्टार होटल की तरह आता है। इसीलिए तो हमारे बड़े-बुजुर्ग कहते थे, 'जितनी चादर हो, उतना ही पैर फैलाओ।'

मोना ने पूर्वी को अपनी बात समझाने की बहुत कोशिश की कि उनकी बात बेटी के गले उतर जाए, पर पूर्वी की पिन तो मोबाइल की ऑनलाइन आकर्षक शापिंग पर ही चिपकी थी। अब इस बात में चादर कहां से आ गई? लेनी है क्या? देखो, यह कॉटन की चादर कितनी अच्छी है। आर्डर कर दूं? कलर कितना सुपर है।

न, नहीं चाहिए। वैसे भी फोटो में बहुत अच्छी लग रही है। पर आने पर रंग कुछ और ही निकलता है।

तो वापस कर देंगे।

पर बिना जरूरत के कोई भी चीज खरीदने की जरूरत ही क्या है? इस तरह रोज-रोज खरीदारी करने से तो खजाना ही लुट जाएगा। मम्मी एक काम कीजिए। पापा से कह कर मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। आप को बैलेंस देखने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

पूर्वी अपनी बात कह रही थी कि तभी उसके पापा रजनीश आ गए। उन्होंने कहा, बोलो... बोलो, मेरी राजकुमारी को क्या चाहिए? क्रेडिट कार्ड चाहिए पापा। मम्मी अपने एकाउंट से खर्च ही नहीं करने देतीं। मम्मी बहुत कंजूस है न पापा। मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। मैं ज्यादा शापिंग नहीं करूंगी। केवल कपड़ा और शूज बस?

पूर्वी को पता था कि उसकी मीठी-मीठी बातों में पापा आ ही जाएंगे। इसलिए उनके नजदीक जा कर प्यार से मस्का लगाने लगी।

पर पूर्वी मैं तुम्हें समझा रही हूं कि बिना जरूरत के शापिंग नहीं करनी है। मोना चिल्लाई।

करेगी... मेरी बेटी करेगी। मोना एक ही तो बेटी है। इसके तो शौक पूरे करने देना चाहिए न? रजनीश ने बेटी का पक्ष लेते हुए कहा। मोना ने कहा, अगर यह अभी से बचत करना नहीं सीखेगी तो पछताएगी। तुम ही इसे समझाओ। अलमारी भरी है। पैसा कमाने के लिए हम दोनों कितनी मेहनत करते हैं।

ठीक है। पर सब इसी के लिए तो है। बेटा, तुम्हारा क्रेडिट कार्ड कल बनवा देता हूं।

यस्स, अब तो मजा ही मजा। मम्मी, आप तो देखती ही रह गई। अब तो मैं खूब शापिंग करूंगी। कहते हुए पूर्वी खुशी के मारे घर से बाहर निकल गई। एक महीने बाद रजनीश ने देखा कि क्रेडिट कार्ड से पूर्वी ने दस हजार की शापिंग की थी। मोना ने कहा, इस तरह तो इस लड़की की शापिंग की लत लग जाएगी।

अब क्रेडिट कार्ड वापस लेना भी आसान नहीं था। क्रेडिट कार्ड वापस लेने पर पूर्वी को बुरा लग गया और उसने कोई गलत कदम उठा लिया तो? एकलौती बेटी को नाराज करना उचित नहीं था। इसलिए उन्होंने कोई

दूसरा उपाय अपनाने के बारे में सोचा।

रजनीश और मोना ने मिल कर एक व्यवस्थित प्लान बनाया। उन्होंने पूर्वी को बुलाया। पहले तो उसके द्वारा की गई शापिंग को देखा। तारीफ भी की। फिर एक-दो चीज के लिए पूछा भी, यह तो अपने पास थी न? यह टॉप महंगा नहीं लग रहा?

पर पूर्वी इस तरह उत्साह में थी कि उसे जरा भी पछतावा नहीं हुआ। यह देख कर रजनीश ने कहा, अगले महीने से हम तुम्हें एक ऑफर देने के बारे में सोच रहे हैं। मैं तुम्हारे खाते में पांच हजार रुपए जमा कराऊंगा। बस, पांच हजार? पूर्वी तुरंत बोल पड़ी। इसलिए मोना ने कहा, यहां ऐसे तमाम लोग हैं, जिनका इतना वेतन भी नहीं है बेटा। ऐसा मत बोलो, पांच हजार में तो पूरे महीने का राशन आ जाता है। रजनीश ने कहा, अरे सुनो तो सही, मैं तुम्हें पांच हजार दूंगा, इसमें से जितना तुम बचाओगी, उतना अगले महीने अधिक दूंगा। समझ लीजिए कि तुम ने चार हजार खर्च किए तो अगले महीने छह हजार मिलेंगे और बिलकुल न खर्च करूं तो दस हजार? हां, पर हर महीने तुम्हारी खर्च की लिमिट पांच हजार ही रहेगी। बाकी की बचत तुम्हारे खाते में जमा रहेगी। साल के अंत में उसमें से तुम्हारी पसंद की कोई चीज दिला देंगे। मोबाइल या फिर लैपटॉप?

कोई भी चीज जो तुम्हें पसंद होगी।

ओके डन। पूर्वी को यह अच्छा लगा। अगले महीने से स्कीम चालू हो गई। पूर्वी ने दो हजार बचाए। राज ने उस महीने हजार रुपए दिए। पूर्वी का उत्साह बढ़ता गया। उसकी बचत करने की आदत बनती गई और खर्च अपने आप घटता गया। आजकल ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ोंबड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर सभी किसी न किसी तरह बचत का विकल्प अपनाएं तो खर्च अपने आप घट जाएगा और अगर ऑनलाइन शापिंग की आदत बढ़ती ही जाए तो खुद ही कार्ड जमा करा दें तो अच्छा रहेगा।

पहले मां-बाप खुद ही अपना फालतू का खर्च कम करें और बच्चों में कम उम्र से ही बचत की आदत डालें, जिससे उनकी जिंदगी आसान बन जाए।

पैसे बचाना कोई 'रॉकेट साइंस' नहीं, बस न करें ये गलतियां

जब भी हम लोन लेने की सोचते हैं, एक अहम सवाल हमारा पीछा करता है। वह है क्रेडिट स्कोर...। क्रेडिट इन्फोर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड (सिबिल) एक क्रेडिट रेटिंग फर्म है, जो 550 मिलियन से अधिक उपभोक्ताओं तथा संगठनों की क्रेडिट हिस्ट्री को मैनेज करती है। इसमें वित्तीय संस्थानों, एनबीएफसी, बैंकों एवं होम फाइनैंसिंग कंपनियों सहित 2400 से अधिक सदस्य शामिल हैं। यह ऋण लेने वाले की स्थिति का अनुमान लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अधिक सिबिल स्कोर होने पर व्यक्ति या संस्थान को लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं दूसरी ओर सिबिल स्कोर कम होने पर, अगर लोन मिल भी जाए तो भी ब्याज अधिक देना पड़ता है। सही तरीके अपनाकर आप अपनी क्रेडिट रेटिंग में सुधार ला सकते हैं।

समय पर चुकाएं ईएमआई: होम लेने लेते समय आप अलग-अलग होम लोन के बीच तुलना करें। देखें कि किसमें आपको ऑफर मिल रहे हैं या फायदा होता है। होम लोन के कई फायदे होते हैं। सबसे पहले तो आपको कर में फायदा मिलता है। सरकार होम लोन पर मूल राशि एवं ब्याज पर कर में छूट देती है। अगर आप दूसरे घर के लिए लोन ले रहे हैं तो आयकर की धारा 24बी के तहत होम लोन के ब्याज की पूरी राशि पर छूट मिलती है। इसके अलावा अन्य कई फायदे भी हैं।

हालांकि जब भी होम लोन लें, आप पूरी योजना बनाकर चलें कि आपको समय पर ईएमआई चुकानी है। सोच-समझ कर फैसला लें कि आपको कितना कर्ज लेना है। आप प्री-पेमेंट की योजना भी बनाकर चल सकते हैं। इसके लिए सही बजट बनाएं, उसी के हिसाब से प्रॉपर्टी ढूंढें, फिर विभिन्न बैंकों के लोन की तुलना करें। उसके बाद ही आवेदन करें।

कैसे सुधारें क्रेडिट स्कोर: आप जब भी ऋण लें, उसे चुकाने में अनुशासन बरतें। भुगतान के लिए रिमाइंडर लगाएं। अपनी क्रेडिट लिमिट सेट कर लें। अगर लोन रिजेक्ट हो जाए तो आवेदन न करें। क्रेडिट कार्ड के बिल का भुगतान समय पर करें। एक समय में बहुत सारा लोन एक साथ न लें।

इंडेक्स फंड में निवेश: इंडैक्स फंड में निवेश करें। ये आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए फायदेमंद हैं।

खुलवा रहे हैं बच्चों का Bank Account तो ध्यान रखें

आज के समय में वित्तीय सेवाएं एक आयु वर्ग तक सीमित नहीं रह गई हैं। एक नाबालिग भी बड़ी आसानी से अपना बैंक अकाउंट रख सकता है और उसे ऑपरेट कर सकता है। 2014 के बाद से आरबीआई की ओर से 10 साल के अधिक के बच्चों को ये सुविधा दे गई है, जिसके बाद बच्चों के लिए खाता खुलवाना काफी आसान हो गया है।

बच्चों के लिए आईसीआईसीआई बैंक यंग स्टार्स अकाउंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पहला कदम और पहली उड़ान, एचडीएफसी बैंक किड्स एडवांटेज और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का युवा बैंकिंग खाता है लेकिन नाबालिगों का खाता खोलते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिसके बारे में हम इस रिपोर्ट में बताने जा रहे हैं।

बच्चे की उम्र

ज्यादातर बैंकों में नाबालिगों के लिए दो प्रकार के खाते होते हैं। एक दस साल से कम के बच्चों के लिए और दूसरा 10 साल से 18 साल के बच्चों के लिए होता है। बड़ी बात यह है कि अगर बच्चा 10 साल से छोटा है, तो माता- पिता को उसके साथ संयुक्त रुप से संचालित करना होता है।

न्यूनतम बैलेस और बैंकिंग सुविधाएं

नाबालिगों को भी बैंक सभी प्रकार की सुविधाएं देते हैं। अधिकतर बैंकों में न्यूनतम बैलेस की सीमा 2500 रुपये से लेकर 5000 रुपये है। इसके अलावा इन खातों पर सभी प्रकार की बैंकिंग सुविधाएं दी जाती हैं, जिसमें चेक बुक, इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम शामिल हैं।

डेबिट कार्ड

कुछ बैंक फोटो के साथ डेबिट कार्ड जारी करते हैं, जबकि कुछ बैंक के कार्ड पर माता-पिता या फिर बच्चे का नाम हो सकता है। सुनिश्चित करें कि खाते पर एसएमएस अलर्ट सुविधा सक्रिय है, जिससे लेनदेन की बारे में जानकारी तुरंत प्राप्त हो। इसके साथ ही बच्चे को यह दिखाने के लिए एटीएम तक ले जाएं कि पैसे सुरक्षित तरीके से कैसे निकाले जाएं।

खर्च करने की सीमा

नाबालिग खाते के साथ खर्च करने की सीमा भी जुड़ी होती है। हालांकि यह बैंक पर निर्भर करती है। आप बैंक की ओर से दी गई सीमा के मुताबिक 1000 रुपये, 2,500 रुपये और 5000 रुपये तक हो सकती है। बैंक से आप एक वित्त वर्ष में माता-पिता की सहमति के बिना 50,000 रुपये और सहमति के साथ 2 लाख रुपये निकाल सकते हैं।

अर्चना शर्मा कोटा, राजस्थान

कविता : ...वो दोस्ताना

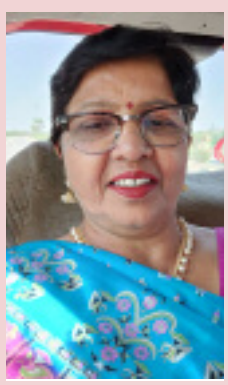

राह सुनसान,
पथरीले रास्ते,
कंटीली झाड़ियां,
घनघोर अंधेरा,
हाथ को नहीं
सूझता हाथ।।

अनजान मुसाफिर,
भयभीत मन,
धड़कता दिल,
फिसलता पांव,
गिरने से पहले ही
संभालते हाथों में
सच्ची दोस्ती का
आमंत्रण,
संभल कर,
स्वीकार कर
भाग्यशाली हो
मुस्कुराने लगी।।

मिल कर बिछुड़ गए
जैसे रात गई और
बात गई,
ऐसा दोस्त फिर
कभी मिला नहीं,
याद रहा बस
वो दोस्ताना ।।

पेट की चर्बी कम करने के लिए रोजाना खाली पेट पिएं हल्दी वाला पानी

बढ़ते वजन को कंट्रोल करने के लिए लोग नाना प्रकार के जतन करते हैं। कुछ लोग जिम का सहारा लेते हैं, तो कुछ लोग डाइटिंग करते हैं। वहीं, कुछ लोग घरेलू नुस्खे अपनाते हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जंक फ़ूड के अत्यधिक सेवन से शरीर में फैट बढ़ने लगता है। एक बार वजन बढ़ने के बाद कंट्रोल करना आसान नहीं होता है। वहीं, लगातार बढ़ते वजन से शरीर का स्वरूप भी बदल जाता है। साथ ही कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं।

इसके लिए वजन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। अगर आप भी बढ़े हुए पेट की चर्बी को कम करना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट हल्दी वाला पानी जरूर पिएं। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि हल्दी पानी पीने से बढ़ते वजन को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है। आइए जानते हैं-

हल्दी

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो वजन घटाने में हल्दी फायदेमंद साबित होती है। इसमें कई आवश्यक पोषक तत्व जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी, करक्यूमिन और पॉलीफेनॉल पाए जाते हैं, जो शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा फैट को बर्न करने में सहायक होते हैं। एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के चलते यह पेट की चर्बी कम करने में सहायक होते हैं।

> लगातार बढ़ते वजन से शरीर का स्वरूप भी बदल जाता है। साथ ही कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं। इसके लिए वजन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। अगर आप भी बढ़े हुए पेट की चर्बी को कम करना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट हल्दी वाला पानी जरूर पिएं। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि हल्दी पानी पीने से बढ़ते वजन को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है।

कैसे करें सेवन

इसके लिए रोजाना हल्दी वाला पानी पिएं। इससे शरीर में मौजूद टॉक्सिन बाहर निकल जाता है। इसके अलावा, हल्दी वाला पानी पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। वहीं, बदलते मौसम में होने वाले बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है।

इसके लिए हल्दी की एक गांठ को एक गिलास पानी में अच्छी तरह से उबाल लें। इस पानी को तब तक उबालें। जब तक पानी आधा न हो जाए। इसके बाद चाय छन्नी की मदद से हल्दी पानी को छान लें। अब शहद मिलाकर इसका सेवन करें। आप चाहे तो स्वाद बढ़ाने के लिए हल्दी पानी में अदरक, नमक और काली मिर्च मिक्स कर सकते हैं। इस पानी को रोजाना पीने से पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलती है।

जीभ जल जाए तो तुरंत करें यह उपाय, नहीं होगा संक्रमण

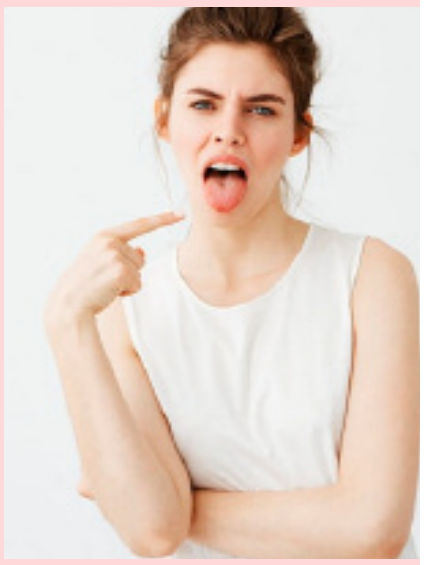

अक्सर चाय पीने या कुछ गर्म खाने के बीच में हम अपनी जीभ जला लेते हैं और फिर कई दिनों तक जली हुई जीभ की जलन से परेशान रहते हैं। आमतौर पर जीभ में जलन की समस्या धीरे-धीरे अपने आप ठीक हो जाती है, लेकिन अगर यह ज्यादा जल जाए तो यह हमें कई दिनों तक परेशान करती है। ऐसे में कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से आप जलन को शांत कर सकते हैं और जले हुए टिश्यू को ठीक कर सकते हैं। स्वास्थ्य रेखा इसके अनुसार जीभ में जलन एक आम समस्या है जिसे प्राथमिक उपचार की मदद से ठीक किया जा सकता है। लेकिन अगर यह ज्यादा जलता है तो इस स्थिति में बर्निंग माउथ सिंड्रोम हो सकता है, जिसे इडियोपैथिक ग्लोसोपायरोसिस भी कहा जाता है। यहां हम आपको बताते हैं कि अगर जीभ जल जाए तो उसे तुरंत ठीक करने के लिए आपको क्या करना चाहिए।

जीभ जली हो तो करें ये काम

संक्रमण से बचने के लिए और जीभ पर फर्स्ट-डिग्री बर्न में दर्द को कम करने के लिए, कुछ मिनट के लिए मुंह में ठंडा पानी रखें और कुल्ला करें। ठंडे पानी से गरारे करें या कुल्ला करें। इसके लिए एक कप पानी में 1/8 चम्मच नमक का घोल बनाकर इस्तेमाल करें। गर्म या गर्म तरल पदार्थों से बचें, जिससे जलन हो सकती है। दर्द और सूजन के लिए डॉक्टर की सलाह पर दवा ली जा सकती है। ज्यादा जलन होने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

ये हैं घरेलू नुस्खे

बेकिंग सोडा से धो लें. इससे दर्द में आराम मिलेगा। ठंडा दही, लस्सी, आइसक्रीम खाएं। पुदीना का प्रयोग करें। इसके लिए आप च्युइंग गम का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। दर्द से राहत के लिए जीभ पर कुछ चीनी के दाने या शहद लगाकर मुंह को कुछ देर के लिए बंद रखें। दर्द को कम करने के लिए अपने मुंह में बर्फ के टुकड़े या चिप्स डालकर चूसें।

त्वचा पर चाहते हैं कुदरती निखार, तो अपनाएं ये 3 आयुर्वेदिक उपाय

महिलाओं की ख़्वाहिश होती है कि उनकी त्वचा बेदाग और खूबसूरत हो। दमकती त्वचा पाने के लिए महिलाएं कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन इससे स्किन डैमेज हो सकती है। बिना मेकअप के चेहरे में निखार चाहती हैं, तो नेचुरल तरीके से त्वचा की देखभाल करें। ग्लोइंग स्किन पाने के लिए आयुर्वेदिक फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इस फेस मास्क को आप खुद घर पर बना सकती हैं। आइए जानते हैं, फेस पैक बनाने का तरीका।

बेसन और हल्दी का पैक: त्वचा की खूबसूरती बढ़ाने में हल्दी काफी फायदेमंद होती है और बेसन से चेहरे के दाग-धब्बे कम हो सकते हैं। इसके लिए एक बड़े चम्मच बेसन में एक चुटकी हल्दी मिलाएं और गुलाब जल की मदद से पेस्ट बना लें। चाहें तो आप कच्चे दूध की मदद से भी पेस्ट बना सकती हैं। अब इसे चेहरे पर लगाएं, 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें।

चंदन पाउडर और गुलाब जल का फेस पैक: चंदन त्वचा की खूबसूरती निखारने में बेहद मददगार है। यह त्वचा को बेदाग और कोमल बनाने में कारगर हो सकता है। इससे फेस मास्क बनाने के लिए एक कटोरी में दो चम्मच चंदन पाउडर लें, अब इसमें गुलाब जल मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं, 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा में निखार आएगा।

केसर और शहद का फेस मास्क: केसर का इस्तेमाल सेहत के साथ त्वचा को निखारने के लिए भी किया जाता है।

बच्चों में कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए अपनाएं ये टिप्स, बेहतर होगा उनका फ्यूचर

हर पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा कॉन्फिडेंट हों। वह किसी भी स्थिति में नर्वस फील न करें। अक्सर बच्चे कॉन्फिडेंट न होने का कारण बहुत सारी एक्टिविटीज में भाग नहीं ले पाते हैं और सुनहरा मौका गंवा देते हैं। कॉन्फिडेंस होना भी, एक तरह की स्किल है। जो बच्चों को सीखाना बेहद जरूरी है। ऐसे में पेरेंट्स की जिम्मेदारी बनती है कि वो अपने बच्चों को बचपन से ही कॉन्फिडेंट बनाना सीखाएं। कई तरीकों से बच्चों में उत्साह और विश्वास ला सकते हैं। आइए जानते हैं, बच्चे का कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए कुछ असरदार टिप्स।

अच्छे काम के लिए तारीफ करें

जब आपका बच्चा कोई अच्छा काम करें, तो उसकी तारीफ करना न भूलें। बच्चे अपने पेरेंट्स से तारीफ सुनना चाहते हैं। वो चाहते हैं कि आप उनके काम को नोटिस करें। चाहे उन्होंने अपने खिलौने को सही जगह पर रखा हो, डांस किया हो या ड्राइंग बनाई हो।

आप बच्चों की प्रयासों के लिए उनकी तारीफ जरूर करें। इससे बच्चे प्रेरित होंगे और उनमें आत्मविश्वास की कमी नहीं होगी।

प्यार जताएं

चाहे बच्चे हो या बड़े, सब प्यार के भूखे होते हैं। ये हमें आत्मविश्वास से भर देता है। कई पेरेंट्स बच्चों के हर बात पर भड़क जाते हैं। जिससे बच्चा डरपोक होता है। आप अपने बच्चे से प्यार जताएं। उन्हें इस बात का भरोसा दिलाएं कि आप उनसे बेशुमार प्यार करते हैं और ये भी कहें कि किसी प्रॉब्लम में आप बच्चे का साथ नहीं छोड़ेंगे। उनकी ताकत बनें, तभी आपका बच्चा आपसे हर बात शेयर करेगा।

निगेटिव चीज़ों से दूर रखें

बच्चे गलत आदतों को बहुत जल्दी सीखते हैं। ऐसे में आप आसपास के माहौल पर ध्यान दें और बच्चों को निगेटिव माहौल से दूर रखें।

उनसे हमेशा पॉजिटिव बातें करें, कभी न कहें कि तुम इस काम को नहीं कर पाओगे, तुम पढ़ाई में विक हो आदि नकारात्मक बातें न करें। उन्हें प्रोत्साहित करने की कोशिश करें।